

उत्तरांचल शासन  
समाज कल्याण विभाग  
संख्या: 529/स.क.-02-87(समाज कल्याण)/02

देहरादून: दिनांक: 10 जून, 2002

विज्ञप्ति

**विविध**

हज समिति अधिनियम, 1959 की धारा-18 में प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए श्री राज्यपाल, उत्तरांचल राज्य हज समिति के संगठन के लिए निम्नलिखित नियमावली विज्ञापित करते हैं।

**उत्तरांचल राज्य हज समिति नियमावली 2002**

ये नियम वही हैं जिन्हें राज्य सरकार ने भारत सरकार से परामर्श करके बनाया है।

**1 संक्षिप्त नाम तथा प्रारम्भ**

- (1) इस नियमावली को 'उत्तरांचल राज्य हज समिति नियमावली 2002' कहा जायेगा।
- (2) इन नियमों के सम्बन्ध में यह समझा जायेगा कि यह नियमावली सरकारी गजट में प्रकाशन की तिथि से लागू हो गये हैं।

**2 संगठन.**

(1) राज्य सरकार एक राज्य हज समिति (जिसे इसके बाद 'समिति' कहा जायेगा) गठित करेगी, जिसमें वे सदस्य होंगे जिन्हें राज्य सरकार राज्य विधान सभा तथा स्थानीय निकायों के मुसलमान सदस्यों, सामाजिक कार्यकर्ताओं और ऐसे अन्य व्यक्तियों में से मनोनीत करेगी, जिन्हें हज यात्रा यथा- मक्का, मदीना और ईरान, इराक आदि की तीर्थ यात्रा से सम्बन्धित विभिन्न मामलों की जानकारी हो और जो उनसे परिचित हों। केन्द्रीय हज समिति के ये सदस्य, यदि कोई हों, जिन्हें इस राज्य से लिया गया हो। समिति में पदेन सदस्यों के रूप में सम्मिलित किये जायेंगे। राज्य सरकार के विवेकानुसार समिति में एक या दो गैर मुसलमान व्यक्ति भी सदस्यों के रूप में रखे जा सकते हैं। समिति की अध्यक्षता उत्तरांचल शासन के समाज कल्याण मंत्री करेंगे तथा सचिव का कार्य सचिव, समाज कल्याण उत्तरांचल शासन द्वारा किया जायेगा।

(1) सदस्यता अवैतनिक होगी— समिति के सदस्य अवैतनिक होंगे और वे समिति से किसी प्रकार का पारिश्रमिक लिए बगैर कार्य करेंगे। जब समिति के किसी सरकारी सदस्य से समिति को किसी बैठक में किसी भी हैसियत से उपस्थित होने के लिए कहा जायेगा तो वह राज्य सरकार से अपना यात्रा व्यय ले सकता है। कोई भी

गैर सरकारी सदस्य समिति की निधियों में से उन पदों पर जिन्हें समिति समय-समय पर निर्धारित करे, सरकार की स्वीकृति के लाभ, यात्रा व्यय आदि ले सकता है।

### 3 कार्यकाल

(1) उपनियम (2) के अधीन रहते हुए समिति का कार्यकाल तीन वर्ष का होगा जो समय-समय पर राज्य सरकार द्वारा कुल मिलाकर छः मास से अधिक अवधि के लिए बढ़ाया जा सकता है।

(2) उपनियम (1) में अन्तर्विष्ट किसी बात के होते हुए भी राज्य सरकार किसी भी समय, जब उसकी यह राय हो कि इस नियमावली का उद्देश्य ऐसी रीति से भली प्रकार पूरा किया जा सकता है, समिति का विघटन और उसके स्थान पर दूसरी समिति का पुर्नगठन कर सकती है।

### 4 कार्य

समिति केन्द्रीय हज समिति, हाजीज फ्रेण्ड्स एवं जनपद स्तर पर गठित हज समितियों के मध्य परामर्शदात्री समिति के रूप में कार्य करेगी, समिति के मुख्य कार्य निम्नलिखित होंगे :-

- (1) ऐसी सूचनायें एकत्र करना तथा उनका प्रसार करना जो जाने वाले यात्रियों के लिए उपयोगी हो।
- (2) जिले में ' हाजीज फ्रेण्ड्स ' और उप समितियों नियुक्त करना।
- (3) जाने वाले यात्रियों को सभी मामलों में परामर्श देना और उनकी मदद करना जैसे टीका लगाना (इनाकुलेशन), स्वास्थ्य निरीक्षण, एड्स व अन्य संक्रामक रोग से पीड़ित व्यक्तियों को चिन्हित करना, धन एकत्रित करना एवं स्थानीय प्राधिकारियों के साथ सभी मामलों में समन्वय स्थापित करना।
- (4) यात्रियों के लिए यात्रा सुविधाओं की व्यवस्था करने के प्रयोजन से रेलवे प्राधिकारियों के साथ सभी मामलों में समन्वय स्थापित करना।
- (5) यात्रियों की शिकायतों की सूचना सम्बन्धित प्राधिकारियों को देना और उनके उपचार के सुझाव देना।
- (6) ऐसी अन्य बातें करना जो जाने वाले यात्रियों के लिए उनकी हज्जाज की तीर्थ यात्रा में लाभदायक सिद्ध हों और

- (7) हज समिति (इण्डिया)द्वारा दिए गए परामर्शानुसार तीर्थ यात्रियों के लिए प्रशिक्षण आयोजित कराना ।

## 5 बैठकें

- (1) समिति समय-समय पर जैसा कि समापति निश्चित करें बैठेगी, किन्तु शर्त यह है कि किसी भी वर्ष बैठकों की संख्या दो से कम न हो अधिमानतः एक बैठक तो हज काल के प्रारंभ में की जाय और दूसरी बैठक हज काल की समाप्ति के पश्चात। बैठक की तारीख समापति से परामर्श करके सचिव निश्चित करेगा. बैठक के समय स्थान की नोटिस की कार्यावली सचिव तैयार करेगा और उन्हें बैठक के दिनांक से कम से कम 15 दिन पूर्व जारी किया जायेगा।
- (2) समिति के एक तिहाई सदस्य गणपूर्ति (कोरम) करेंगे. यदि किसी बैठक में आवश्यक गणपूर्ति (कोरम) उपस्थित न हो, किन्तु यदि उपस्थित पदधारी व्यक्ति और सदस्यों की राय में कार्यावली(एजेण्डा) में सम्मिलित कार्य करना आवश्यक है तो बैठक स्थगित नहीं की जायेगी।
- (3) समिति का मुख्यालय रुड़की में होगा.

## 6 निधियाँ

- (1) एक निधि कायम की जायेगी जिसका नाम 'राज्य हज समिति' निधि होगा और उसमें निम्नलिखित सम्मिलित होंगी:
- (क) कोई धनराशियाँ जो 'पोर्ट हज समिति' इण्डिया से प्राप्त हुई हों
- (ख) कोई धनराशियाँ जिन्हें राज्य सरकार द्वारा नियत किया हो और
- (ग) कोई धनराशियाँ जो गैर सरकारी साधनों से चन्दे के रूप में एकत्र की गई हो या प्राप्त हुई हो \*
- नोट:-\* समिति अपने व्यय को पूरा करने के लिए गैर सरकारी साधन से चन्दा भी एकत्र कर सकती है.
- (2) उक्त निधि किसी अनुमोदित बैंक में सचिव के नाम जमा की जायेगी जो उसका आहरण करने वाला अधिकारी (ड्राइंग आफिसर ) भी होगा। समिति की स्वीकृति के बिना वह रु. 500/- से अधिक का व्यय नहीं करेगा, किन्तु समापति आवश्यक मामले में समिति की स्वीकृति के पूर्ववधारण में जिसे अगली बैठक में प्राप्त कर लिया जायेगा, 2000 रु0 तक के किसी व्यय का अनुमोदन कर सकता है.

7 नियमों में परिवर्तन

इस नियमावली में संशोधन करने का कोई प्रस्ताव भारत सरकार के पास निर्देश के लिए भेजा जायेगा, किन्तु ऐसे लघु परिवर्तन जिनसे नियमों के प्रयोजन पर कोई प्रभार नहीं पड़ता हो, राज्य सरकार द्वारा बिना ऐसे निर्देश के किये जा सकते हैं।

8 वार्षिक प्रतिवेदन

वार्षिक रिपोर्ट हज काल की समाप्ति के छः माह के पश्चात अविलम्ब रूप से प्रस्तुत की जाएगी और राज्य हज कमेटी के परामर्श के साथ भारत सरकार को प्रेषित की जाएगी।

आज्ञा से,

आर. के. वर्मा  
सचिव  
समाज कल्याण

संख्या: 529(1)/स.क.-02-87(समाज कल्याण)/02 तददिनांक

प्रतिलिपि: निदेशक, फोटोलिथो प्रेस रुड़की उत्तरांचल को हिन्दी एवं अंग्रेजी विज्ञापित की प्रति इस अनुरोध के साथ प्रेषित कि इस विज्ञापित को असाधारण गजट के भाग-4 खण्ड-ख में प्रकाशित कराये तथा तत्पश्चात गजट की 1000 प्रतियाँ शासन के इस अनुभाग को भी उपलब्ध कराने का कष्ट करें।

आज्ञा से,

( आर. के. वर्मा )  
सचिव  
समाज कल्याण

संख्या: 529(2)/स.क.-02-87(समाज कल्याण)/02 तददिनांक

प्रतिलिपि: निम्नलिखित को सूचनार्थ प्रेषित

- 1 मा. अध्यक्ष, हज कमेटी, देहरादून, उत्तरांचल।
- 2 निजी सचिव, मा० मुख्य मंत्री जी,
- 3 मुख्य सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 4 समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तरांचल शासन, देहरादून।
- 5 सचिव, हज कमेटी, उत्तरांचल, देहरादून।
- 6 निदेशक समाज कल्याण उत्तरांचल देहरादून
- 7 समस्त जिलाधिकारी उत्तरांचल

आज्ञा से,

( आर. के. वर्मा )  
सचिव  
समाज कल्याण